विजेन्द्र कुमार

दिन-प्रतिदिन का वैज्ञानिक इतिहास

1 नवम्बर

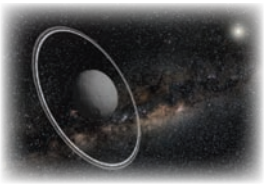

1977, शनि एवं यूरेनस ग्रह के बीच सौरमंडल के सबसे दूरस्थ क्षुद्रग्रह ''चिरोन'' की खोज चार्ल्स कोवाल ने की।

2 नवम्बर,

1955, अमेरिकन अन्वेक्षक कार्टन स्च्वेर्ट एवं एफ. एल. स्चाफर ने सर्वप्रथम पोलियो वायरस का क्रिस्टलीकरण किया। यह पहला जंतु वायरस था जो क्रिस्टलीय रूप में प्राप्त किया गया (जबकि पहले पादप वायरस का क्रिस्टलीकरण सर्वप्रथम डब्ल्यू. एम. स्टैनले ने 1935 में किया था)।

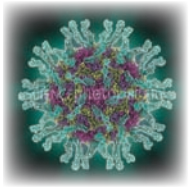

3 नवम्बर

1957, पृथ्वी की कक्षा में जाने वाले दूसरे अंतरिक्षयान 'स्पूतनिक-2' को जीवित प्राणी (लायका नाम के कुत्ते) के साथ अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया।

4 नवम्बर

1846, कृत्रिम पैर के निर्माण के लिए प्रथम यू. एस. पेटेंट बेंजामिन एफ. पाल्मर को प्रदान किया गया। (नं. 4834)

1869, लोकप्रिय अंतराष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका 'नेचर' का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ जो कि सर नार्मन लाकर द्वारा सम्पादित किया गया था।

7 नवम्बर

1888, महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चंद्रशेखर वेंकटरमन का जन्म हुआ। भारत में विज्ञान के विकास में इनकी महती भूमिका रही है। सन् 1928 में रमन प्रभाव की खोज करने के लिए इन्हें सन् 1930 में भौतिकी के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

8 नवम्बर

1895, विल्हेल्म कोनरेड रोन्टगेन ने वुर्जबुर्ग यूनीवर्सिटी में अपने प्रयोग के दौरान एक्स-किरणों को सर्वप्रथम ओब्सेर्व किया, रॉन्टगन की यह खोज चिकित्सा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हुई।

9 नवम्बर

1925, परिमित अंतरिक्ष से अत्यधिक मर्मज्ञ विकिरणों की पुष्टि रॉबर्ट ए. मिलिकन ने की, इन विकिरणों को अब 'कॉस्मिक किरणों' के नाम से जाना जाता है।

1967, मानव रहित सैटर्न-वी रॉकेट को इसके प्रथम सफल परीक्षण के लिए नासा द्वारा प्रक्षेपित किया गया।

10 नवम्बर

1999, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस को बुडापेस्ट में हुए विश्व सम्मेलन में अनुसंशित किया गया। दुनिया भर में विज्ञान के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 10 नवम्बर को 'शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

11 नवम्बर

1856, आयरन व स्टील के निर्माण की प्रक्रिया की खोज के लिए इन्वेन्टर हेनरी बेस्स्मेर को पेटेंट प्रदान किया गया। (पेटेंट नं. 16082)

1943, प्रसिद्ध भारतीय परमाणु वैज्ञानिक और यांत्रिक इंजीनियर सर अनिल काकोडकर का जन्म हुआ, इन्हें विज्ञान के क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए वर्ष 2009 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था।

12 नवम्बर

1896, प्रसिद्ध भारतीय पक्षी विज्ञानी और

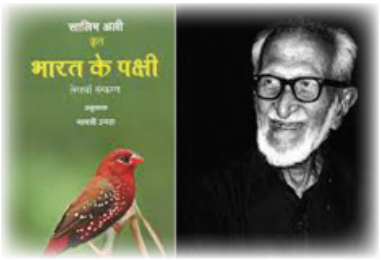

प्रकृतिवादी सर सलीम एम. अब्दुल अली का जन्म हुआ, अपने अभूतपूर्व योगदान के कारण इन्हें 'बर्डमैन ऑफ इंडिया' के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

13 नवम्बर

1971, मंगल ग्रह के अन्वेषण के उद्देश्य से अंतरिक्ष यान 'मेरिनर-9' ने मार्टियन ऑर्बिट में प्रवेश किया, यह एक ग्रह की कक्षा से दूसरे ग्रह में जाने वाला प्रथम अंतरिक्ष यान बना।

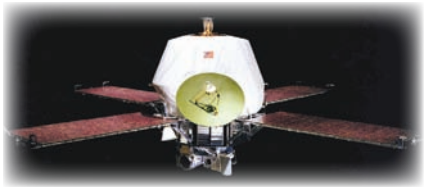

14 नवम्बर

1891, विख्यात भारतीय वनस्पतिशास्त्री सर बीरबल साहनी का जन्म हुआ, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप के जीवावशेषों का अध्ययन कर इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डा. साहनी ने लखनऊ में पैलियोबॉटेनिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की, जो कि विश्व में इस तरह का एक मात्र संस्थान है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने इनके सम्मान में बीरबल साहनी पदक की स्थापना की है, जो भारत के सर्वश्रेष्ठ वनस्पति वैज्ञानिक को दिया जाता है। **1967,** 'रूबी लेसर सिस्टम' आविष्कार के लिए थिओडोर मेमन को पेटेंट जारी किया गया। (नं. 3,353,115)

15 नवम्बर

1887, 'शुष्क सेल' के लिए जर्मन वैज्ञानिक डॉ. कार्ल गस्स्नेर को प्रथम पेटेंट प्राप्त हुआ। (नं. 373,064) **1988,** सोवियत संघ ने अपना प्रथम मानवरहित स्पेस शटल 'बुरान' (स्नोस्ट्रोम) अन्तरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

16 नवम्बर

1945, दो नये खोजे गये तत्व अमरेशियम (परमाणु क्रमांक 95) एवं क्यूरियम (परमाणु क्रमांक 96) की घोषणा हुई।

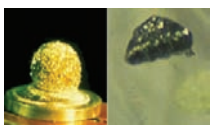

19 नवम्बर

1872, मुद्रित योग करने में सक्षम 'कैल्कुलेटिंग मशीन' के आविष्कार के लिए प्रथम यू.एस. पेटेंट ई. डी. बार्बोर को प्रदान किया गया।

20 नवम्बर

1979, कृत्रिम रुधिर का प्रथम उपयोग यूनीवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा हॉस्पिटल में एक रोगी में आधान द्वारा हुआ।

21 नवम्बर

1920, प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सर के. एस. चंद्रशेखर, जो कि अपने नम्बर्स थ्योरी व सुम्माबिलिटी पर अपने कार्य के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं, का जन्म हुआ। विज्ञान के क्षेत्र में इनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इन्हें शांति स्वरूप भटनागर अवॉर्ड, रामानुजन मेडल व पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया था।

23 नवम्बर

1897, पेंसिल शार्पनर के आविष्कार के लिए अमेरिकन खोजकर्ता जॉन ली. लव को पेटेंट प्रदान किया गया। (नं. . 594,114)

24 नवम्बर

1859, डार्विन की सुप्रसिद्ध पुस्तक 'दी ओरिजिन ऑफ स्पीशीज बाय मीन्स ऑफ नेचुरल सलेक्शन' प्रकाशित हुई। इस पुस्तक में डार्विन ने प्राकृतिक चयन के द्वारा नई प्रजातियों की उत्पत्ति के सिद्धात को समझाया।

26 नवम्बर

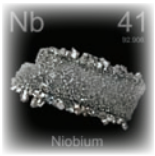

1801, नये तत्व 'निओबियम' (Nb) परमाणु तत्व क्रमांक (41) की खोज को चार्ल्स हट्चेट ने रॉयल सोसायटी, लन्दन के समक्ष घोषित किया।

1965, फ्रांस ने अपना प्रथम सैटेलाइट 'एस्ट्रिक्स - I' हम्मगुयर, अल्जेरिया से डायमन्ड रॉकेट पर अन्तरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

1966, विश्व के प्रथम ज्वारीय ऊर्जा स्टेशन को प्रेसिडेंट चार्ल्स डे गुल्ले ने रैंस नदी, ब्रिटनी, फ्रांस में खोलकर इसका शुभारम्भ किया।

27 नवम्बर

1834, औद्योगिक उपयोग के लिए प्रथम डीसी इलेक्ट्रिक मोटर के आविष्कार के लिए थॉमस डेवनपोर्ट को पेटेंट प्राप्त हुआ। **1989,** विश्व में पहली बार किसी जीवित दाता के लिवर को किसी अन्य में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया, जो कि यूनीवर्सिटी ऑफ शिकागो हॉस्पिटल में एक महिला द्वारा अपनी 21 माह की बेटी को लिवर प्रदान करने से संपन्न हुआ।

28 नवम्बर

1964, मरिनेर-4 अन्तरिक्षयान को केप कैनेडी सेंटर, फ्लोरिडा से प्रक्षेपित किया गया।

29 नवम्बर

1813, एक नये पदार्थ 'आयोडीन' की खोज को निकोलस क्लेमेंट ने फ्रेंच इंस्टीट्यूट के समक्ष घोषित किया।

1944, प्रथम 'ब्लू बेबी' के ऑपरेशन को डॉ. अल्फ्रेड ब्लालोक एवं डॉ. हेलेन बी. तुस्सीग ने सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

30 नवम्बर

1920, महान भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चन्द्र बोस का जन्म हुआ। वे पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। इन्हें भारत में 'रेडियो विज्ञान का जनक' भी माना जाता है।

संपर्क सूत्र :

श्री विजेन्द्र कुमार
रिसर्च इंटर्न, राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तकालय
सीएसआईआर-निस्केयर, 14 सत्संग विहार मार्ग
नई दिल्ली 110067
[ई-मेल : vijendra.intern@niscair.res.in]